No. of Printed Pages : **4**

ES-363

BACHELOR OF EDUCATION

Term-End Examination

June, 2015

ES-363 : GUIDANCE AND COUNSELLING

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i)* ***All*** *the* ***four*** *questions are* ***compulsory.***

(ii) ***All*** *the questions carry* ***equal*** *weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words :

   Discuss in detail how are standardised techniques useful in counselling ?

   OR

   Examine the organization of guidance services followed in Indian set - up. What are the current strategies of guidance and the need for a co-ordinated team process ?

2. Answer the following question in about **600** words :

   Outline a plan of action for establishing an effective guidance service unit in a school and describe the various guidance services to be provided to students.

   OR

   Enumerate the socio - emotional problems of handicapped children. Suggest the various roles of parents, teachers and guidance counsellor in dealing with such children.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

   (a) State any six principles of guidance.

   (b) Mention the procedure you would adopt for conducting a counselling interview.

   (c) Bring out the characteristics of an effective counsellor.

   (d) With the help of practical situations, bring out the scope of anecdotal and cumulative records in guidance services.

   (e) "Every school should have a trained counsellor". Comment.

   (f) Mention the career problems of women.

4. Answer the following question in about **600** words :

   As a teacher, in your class, you have a student requiring help through counselling. Write down an appropriate counselling approach that you will use to help the student.

ई.एस.-363

शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

ई.एस.-363 : निर्देशन तथा उपबोधन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी चारों** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता एक **समान** है।*

1. निम्न प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :
विस्तार से वर्णन कीजिए कि मानक तकनीकें उपबोधन के लिए किस प्रकार उपयोगी होती हैं?

अथवा

भारतीय व्यवस्था में आयोजित की जाने वाली निर्देशन सेवाओं का मूल्यांकन करो। निर्देशन की वर्तमान व्यूहरचनाएँ कौन सी हैं और किस प्रकार संयोजित टीम प्रक्रिया की आवश्यकता है?

2. निम्न प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :
एक विद्यालय में प्रभावी निर्देशन सेवाओं के स्थापन हेतु एक कार्य-योजना का खाका तैयार करो और शिक्षार्थियों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न निर्देशन सेवाओं की व्याख्या करो।

अथवा

अक्षम बच्चों की सामाजिक संवेगात्मक समस्याओं की सूची बनाइए। इस प्रकार के बच्चों के साथ पेश आने में अभिभावकों, अध्यापकों तथा निर्देशन उपबोधकों की भूमिका बताओ।

3. निम्न में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150** शब्द प्रति के अनुसार दो :

(a) निर्देशन के कोई छह (6) सिद्धान्त बताओ।

(b) एक उपबोधन साक्षात्कार करने के लिए आपके द्वारा अपनाई जाने वाली विधि का उल्लेख करें।

(c) एक प्रभावी उपबोधक के गुणों की व्याख्या करो।

(d) प्रयोगात्मक अवस्थाओं की सहायता से निर्देशन सेवाओं में ऐनेक्डोटल (जीवनात्मक) तथा संचयी वृत के कार्य-क्षेत्र का वर्णन करो।

(e) "प्रत्येक विद्यालय में एक प्रशिक्षित मार्ग-दर्शक (उपबोधक) होना चाहिए"। टिप्पणी करो।

(f) महिलाओं की वृतात्मक समस्याओं का वर्णन करो।

4. निम्न प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए :

एक अध्यापक के नाते आपकी कक्षा में एक शिक्षार्थी है जिसे परामर्श की सहायता की आवश्यकता है। इस शिक्षार्थी की सहायता करने के लिए आपके द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली उपयुक्त उपबोधन विधा का वर्णन करो।